।। श्री रामचंद्रजी की जय ।।

# श्री पंवार क्षत्रिय राम मंदिर

## खिकारपाठ पहाड़ी, बैहर

का

# संक्षिप्त इतिहास

।। श्री रामचंद्रजीको जय ।।

श्री पंवार क्षत्रिय राम मंदीर की
आंतरिक झांकी

# श्री पंवार क्षत्रिय राम मंदिर
# [ सिहारपाट पहाडी ] बैहर

पंवार राममंदीर बैहर, पंवार समाज द्वारा निर्मित एकमात्र मंदिर है। प्रतिवर्ष रामनवमी के पावन पर्व पर हजारों की संख्या मे भक्तजन पधार कर भगवान राघवेन्द्र के पावन चरणोंपर अपने श्रद्धा सूमन अर्पित करते हैं।

मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की बैहर तहसील अपने आप मे काफी महत्वपूर्ण तहसील हैं। बैहर तहसील मे भीमलाट प्रगना एक प्रमुख स्थान है। भीमलाट ग्राम मे आज भी पत्थर की १३½ फीट नवपहलू शिला विद्यमान है, जो महाबली भीम के कथानक से जुड़ी है। समीपस्थ बंजर नदी के तराई कें चट्टानों मे पांडव के पदचिन्ह आज भी दिखाई देते है। राष्ट्रीय उद्यान कान्हा का दस प्रतिशत भाग इसी तहसील मे है। पौराणिक कथा 'श्रवण' से सम्बंधीत 'श्रवणताल' भी यही उपस्थित है। इसी बैहर धरती के गर्भ मे राष्ट्र की संपदा ताम्बा विद्यमान है, जो मलाजखंड के नाम से प्रसिद्ध है।

बैहर ग्राम से तीन किलोमिटर दूरी पर तीन सौ फीट ऊंची एक पहाडी की तराई पर प्राचीन काल से एक 'सिह मंदीर' स्थित है। मंदीर मे हाथी के उपर सिह विराजमान है। इसे 'सिहार – पाट कहा जाता है। यह स्थान घने जंगलमे स्थित था तथा वर्षमे एक बार यहां मेला भरा करता था।

२२) " गुजोबा पटेल दलदला " " "
२३) " जीवना पटेल रोसना " " "
२४) " हीरालाल मुक्त्यार खोलवा " " "

प्रति वर्ष रामनवमी के मेले मे बालाघाट मे कृषकों को आमंत्रित किया जाता था । पशुपालन, सब्जीं बागवानी, नृत्य कला आदि पर प्रदर्शनी तथा पुरस्कार आयोजित किये जाते थे । जिलाधीश महोदय ने इसी मेलें मे कईगांवो के पंवारो को बैहर तहसिल का मुकदमी ठेकेंदारी नका हक्क प्रदा किया । रामनवमी के पावन पर्व मे हजारो पवार क्षत्रिय समाज बन्धुओ मे विचारो का आदान प्रदान होता रहा है ।

२० एकड़ का क्षेत्र मंदिर के स्वामित्व मे आता है । पहले यहां विकट जंगल था । जंगली जानवरों का आंतंक था । समाज के अमीर तथा गरीबों द्वारा प्राप्त दान तथा तन मन धन सेवा द्वारा मंदिर का निर्माण संचालन तथा रामनवमी उत्सव आयोजित किया जाता रहा । इस खर्च हेतु समाजके अमीर गरीब सभीने नांगर पिछे २ आने चंदा वसुली का लक्ष तथा शादी मे वर वधु दो पक्षों से ५ रू. वसूल करना अनिवार्य कर दिया है । जिससे मंदिर का खर्च सुचारु ढंगसे चलता है । मंदिर के लिये महानुभावोंने मंदिर निमित्त ५२ एकड जमीन खरेदी जो ग्राम राजपूर मे हैं और इसके अलावा श्री स्वर्गवासी परसराम पटेल पौंड़ी ने आज के भावपर २ एकड जमीन ६ हजार की दान मे दी है । इसी प्रकार श्रीमान स्वर्गवासी गोपाल पटेल कंजई द्वारा २ एकड जमीन अदाजे किमत ४ हजार रूपिये इसी प्रकार श्री स्वर्गवासी सुकलाल पटवारी ईनके द्वारा मंदिर को तकीया बिस्तर पलंग दि अरामचंद्र जी के निमित्त भेंट किये । जो सराहनीय है ।

निम्नलिखित महानुभावों का इस कार्य मे सक्रीय सहयोग रहा :-

१) श्री हेमराज पटेल गोवारी
२) श्री इन्द्र पटेल कोहका
३) ,, थानी पटेल बाहकल
४) ,, गोबरधन पटेल बिढ़ली
५) ,, सेगो पटेल पिपरटोला
६) ,, दादू पटेल कटंगी
७) ,, दादू पटेल चारटोला
८) ,, सखन पटेल धनवार
९) ,, भद्री पटेल सरेखा
१०) ,, झाडु पटेल कीशमीरी
११) ,, रंगोबा महाजन काशमीरी
१२) ,, आत्माराम पटेल मजगांव
१३) ,, सीताराम पटेल कलेगांव
१४) ,, नानाजी पटेल करेली
१५) ,, जगतराय पटेल सरेखा
१६) ,, रगो महाजन बिठ्ठली
१७) ,, दादू महाजन कारसडोल
१८) ,, सेगो पटेल भन्डारपुर
१९) ,, सखराम पटेल टीगींपुर
२०) ,, लटोराम चौधरी करमसरा
२१) ,, दाजीबा पटेल करमसरा
२२) ,, गिरमाजी पटेल धुर्वी
२३) ,, गनपतराव पटेल मेरियाँलामटा
२४) ,, मोतिराम पटेल गोडेगांव लालबर्रा
२५) ,, दीपचन्द पटेल केसल छिन्दवाडा
२६) ,, तुलाराम पटेल ,, ,,
२७) ,, सालीकराम पटेल टेंभरे नेबरगांव बैहर
२८) ,, हरलस पटेल बिसेन पौडी उकवा बैहर
२९) ,, चिन्तामणराव गौतम अधिवक्ता भतपूर्व संसद सदस्य बालाघाट
३०) ,, फबूलाल कटरे अधिवक्ता परमहंसी परसवाडा परमधाम विद्रावन मथूरा
३१) ,, तेजलाल टेंभरे अधिवक्ता व विधायक बालाघाट
३२) ,, डॉ मेघराज बिसेन अधिवक्ता बालाघाट
३३) ,, भोलाराम पारधी भूतपूर्व संसद सदस्य अतरी लालबर्रा

३४) " पन्नालाल बिसेन अधिवक्ता पिपरझी बालाघाट
३५) " शिवलाल बिसेन " "
३६) " मोतिलाल चौधरी " "
३७) " नेतलाल पारधी बेहर
३८) " थानसिंह बिसेन भूतपूर्व विधायक हुडकीटोला बुदबुदा वाराशिवनी

अन्य जिलोके दानदाता योग्य सहयोगी

१) " आडकुबा सीताराम पटले वर्धा सभापति
२) " सुकलजी धामणगांव मंत्रि
३) " महादेवजी आरवी महाराष्ट्र
४) " दौलत दसरे अमूले अमरावती
५) " महादेव शुक्ल धामणगांव महाराष्ट्र
६) " मयाराम पटेल पांजरा कटंगी बालाघाट सभापति
७) " सखन महाजन गायखुर्री बालाघाट मंत्रि
८) " शिवराम पटेल अर्री सिवनी सभापति
९) " अमर पटेल खूट पो बरघाट मंत्रि
१०) " लक्ष्मीचंद पटेल बिसेन कुडवा भण्डारा सभापति
११) " सखन पटेल बिसेन गोंदिया मंत्रि
१२) " चन्दूलाल पटेल यवतमाळ महाराष्ट्र सभापति
१३) " दून्ना पटेल यवतमाल मंत्रि
१४) " तुलसीराम पवार मारवाडो प्रेस आडिटर नागपूर सभापति
१५) " गोपाल पटेल देवपूरा दुर्ग सभापति
१६) " जागोबा पटेल दासगांव गोंदिया सभापति
१७) " देऊभाऊ तुरकर काटी मंत्रि
१८) " चिन्नु पटेल बालाघाट
१९) " यादोराव पटेल कल्याणपुर सिवनी

२०) ,, प्रताप महाजन खामी सिवनी
२१) ,, लक्की पटेल सांवगी कटंगी
२२) ,, नत्थू पटेल भानपुर बालाघाट
२३) ,, दुली पटेल सावगी बालाघाट
२४) ,, देबीलाल पटेल कुराडी गोंदिया भण्डारा
२५) ,, टुन्डीलाल पवार साहब बालाघाट
२६) ,, शिवा महाजन कल्याणपुर सिंवनी
२७) ,, चेपा पटेल बिसेन रोसना बालाघाट
२८) ,, शोभाराम पटेल पौन्डी उकवा
२९) ,, दयाराम टेंभरे, जानकोप्रसाद टेंभरे पिता हिरबाजी टेंभरे
मु० हरीबटोला नगरवाडा
३०) ,, सालीकराम पटेल पारधी चरेगाँव स्टेशन
३१) ,, तोपराम पटेल सेरपार
३२) ,, गणेश पटेल धनवार
३३) श्री गुसाई पटेल डोंगरीया

श्रीराम मन्दिर को उद्धार दिलसे चुकारा देनेवालोंकी सूचि

१) श्री संभा पटेल सारसडोल
२) श्री परसराम पटेल बिसेन पौडी
३) ,, गोपाल पटेल बोटे कजई
४) ,, नरवद पटेल भोरवाही
५) ,, दादू पटेल खरपडिया
६) ,, लक्ष्मण पटेल मोहगाँव
७) ,, गोमा पटेल गोरखपुर
८) ,, लिखनलाल पटेल करेली
९) ,, गोबरधन दुर्गाजी पटेल ठाकुर विठ्ठली
१०) ,, टिहली पटेल चौहान पिंडकेपार
११) ,, रामलाल पटेल जत्ता
१२) ,, मुखलाल पटवारी लगमा
१३) ,, मेहपतराव पटेल सोनपुर
१४) ,, मंगल पटेल ठाकुर मडई
१५) ,, गंगाराम पटल ठाकुर घोडादेही
१६) ,, आत्माराम पटेल घोडादेही
१७) ,, गेन्दी पटल झिरीया

१७) ,, धानु पटेल बघोली
१९) ,, गन्नू महाजन कुरेन्डा
२०) ,, बाजीराव मास्टर गुदमा
२१) ,, कुसोबा पटेल गुदमा बालाघाट
२२) ,, धरमलाल पटेल टेंभरे सीतापुर
२३) ,, तुलन पटेल रूपझर
२४) ,, गुजोबा पटेल दलदला
२५) ,, जीवन पटेल गोव्हारा
२६) ,, हीरालाल मुक्त्यार खोलवा
२७) ,, हेमराज पटेल गोवारी
२८) ,, तालीकराम पटेल तुरकर नीलजी

लोगों के सहकार्य से मंदिर के पास १९२१ मे पहाड़ी पर एक कुंआं १०० फीट गहराई का बनाया गया। इस कुंए मे वर्षा ऋतु मे कम तथा ग्रीष्म में अधिक जल रहता है। इस कुंए के पुनःनिर्माण मे स्वर्गीय श्री मतींराम पटल तुमाडी की धर्मपत्नी का १५००) रुपये का योगदान मिला। व उनके नामका सगमरमर का पत्थर लगाया गया हैं।

मंदिर मे जाने के लिये पत्थरों को तोडकर १९० सिढ़ियों का निर्माण किया गया। साथही चक्करदार रास्ता भी बनाया गया जिसपर जीप वस बैलगाडी द्वारा जाया जा सकता है। इस रास्ते को लोक कर्म विभाग ने लिया है।

दिनांक २७-३-६९ रामनंवमी को रामजन्म महोत्सव के साथ साथ अखिल भारतीय पंवार क्षत्रिय महासभा का पद्रहवा अधिवेशन श्री तेजसिंह कटरे अधिवक्ता गोंदिया की सभापतित्व मे किया गया इस समय व्यवस्था का भार श्री धरमलाल टेंभरे सीतापुर अध्यक्ष राम मंदिर कमेटी पर था। अधिवेशन के स्वागत अध्यक्ष श्री पन्नालाल बिसेन अधिवक्ता बाला-घाट थे। अधिवेशन की सफलता मे अ पका प्रयास सराहनीय रहा।

अधिवेशन में समाज के वयोवृद्ध नेता स्वर्गवासी गोपाल पटेल

कंजई ने अपनी हार्दिक इच्छा व्यक्त कर मंदिर मे सभा मंडप बनवाने का प्रस्ताव किया। प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारीत हुआ। सर्वश्री प्रथम दान-दाता गौरीशकर तुरकर गोंदिया ने सभा मंडप के निर्माण हेतु १०१) रु. दान दिया जो कि अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। तथा मंडप कार्य हेतु निम्नलिखित कमेटी बनाई गयी :-

अध्यक्ष :- श्री तेजलाल टेंभरे अधिवक्ता बालाघाट

मंत्री :- ,, डा. मेघराज बिसेन अधिवक्ता बालाघाट

उपमंत्री :- ,, मूलचन्द ठाकुर पौनी

अन्य सदस्य गण :- ,, गंगाराम पटेल खरपड़ीया एवं राममंदिरके अध्यक्ष पद को सुशोभीत किये।

,, देबीलाल पटेल भैरवाही

,, मून्नालालजी चौहान गोंदिया

,, धरमलाल टेंभरे पटेल सीतापुर

,, शिवराज पटेल एड़े खरपडिया

,, भैयालाल ठाकुर चकरवाही

,, भूगेलाल तुरकर बाहकल

,, सालिकराम रहांगडाले बिरसा

,, लिखनलाल पटले रिटायर मास्टर बाकीगुडा

,, ठुन्नोलाल ठाकुर मडई

,, परसराम पटेल बिसवाही सभा मण्डप के प्रमुख निर्माण सहयोगी

,, रूपसिंह बिसेन अधिवक्ता बैहर विशेष निरीक्षणकर्ता

दो वर्षों मे १६१५१) रुपये दान द्वारा प्राप्त कर मंडप निर्माण किया गया। इस कार्य मे श्री तेजलाल टेंभरे अधिवक्ता बालाघाट का तथा

डॉ. मेघराज बिसेन अधिवक्ता बालाघाट का सहयोग उल्लेखनीय रहा श्री गंगाराम पटेल खरपड़िया का सहयोग सराहनीय रहा। श्री शिवराज पटेल खरपड़िया का भी सहयोग उल्लेखनीय रहा। इसके शिवाय सर्वश्री
का सहयोग भी रहा हैं।

वर्तमान समय मे मंदिर का ट्रस्ट बनवाकर रजिस्ट्रेशन किया जा चुका हैं। पंजियन क्रमांक १। ४।१२।१९७८ क्रमांक १ बी ११३ (१) १९७६–७७ है। पदाधिकारी निम्नलिखित है :–

संस्थापक प्रबन्ध समिती के पदाधिकारीं के नाम

१) श्री धरमलाल टेंभरे पटेल मौजा सितापुर त. बैहर जि. बालाघाट
२) " मुलचन्द ठाकुर सचिव मौजा पौनी त. बैहर जि. बालाघाट
३) " हरलाल बिसेन उपाध्यक्ष मौजा पौडी त. बैहर
४) " चिंतामण कटरे उपाध्यक्ष सा. परसवाड़ा त. बैहर जि. बालाघाट

सदस्यगण

५) " मुन्नालालजी चौहान गोंदिया निवासी
६) " डॉक्टर मेघराज बिसेन एडव्होकेट बालाघाट
७) " मधुसुदन गौतम एडव्होकेट विधायक बालाघाट
८) " खगलाल बिसेन मौजा कंजई त. वारासिवनी
९) " सालिकराम टेंभरे मौजा नेवरगांव त. बैहर
१०) " गंगाराम पटेल खरपडिया त. बैहर
११) " भोलाराम पारधी सा. बालाघाट
१२) " लेखलाल आत्मज चैतराम बिसेन मौजा रोशना
१३) " जनपद अध्यक्ष बैहर
१४) " तै. सीरकत सा. बैहर

कंज
प्रस
दात
दा
निः

मंदिर के पुजारी गण

१) श्री राम चरणदास जी कार्यकाल १५ वर्ष

इनकें कार्यकाल मे मंदिर पूर्णतः घने जंगलो से घिरा था तथा अकसर जंगली जानवरो से सामना करना पडता था। शेर, भालू, चीता आदी का वहां आवागमन होते रहता था।

२) श्री राम सजीवन गर्ग कार्यकाल २५ वर्ष

३) श्री श्यामप्रसाद गर्ग कार्यकाल ७ वर्ष

इनके शिवाय अन्य चार पुजारी और रहें हैं। वर्तमान समय मे श्री राधेश्याम गर्ग पूजारी है।

अ

**मन्दिर सम्बन्धी कुछ उल्लेखनीय बातें–**

(१९६६ से १९६९ तक के कार्यकाल की)
(अध्यक्ष श्री धरमलाल टेंभरे)

१) मंदिर स्थापना के ५५ वर्ष पश्चात मंदिर पर पीतल का कलश चढाया गया।

२) उत्सव मे शोभा बढाने के लियें ढंढार, नृत्य आदि के आयोजन समय समय पर किये गये।

३) मंदिर की राशि बेंक मे रखना आरम्भ किया गया।

४) मंदिर के पहूँच मार्ग के लिये प्रयत्न किये गये। तत्कालीन मंत्रि श्री प्रतापलाल बिसेन जो पंवार समाज के प्रथम मंत्रि बने (संविद सरकार) से सम्पर्क कर मार्ग बनाने हेतु अथक प्रयत्न किये गये परन्तु यश प्राप्त न हो सका। श्री अस्थाना जी एस. डी ओ. से भी सम्पर्क स्थापीत किया गया। पर कार्य न हो सका। पर आयोजित महासभा के कार्य हेतु तत्कालीन अध्यक्ष श्री धरमलाल टेंभरे के व्यक्तिगत प्रयत्न से जैसे तैसे मार्ग तैयार किया गया।

ि

१९६९ से १९७९ तक के कार्यकाल की उल्लेखनीय ब तें-
(अध्यक्ष सेठ गंगाराम पटेल खरपडिया, मंत्रि मूलचंद ठाकुर पवनी)

१) १९७१ मे सरकारने मंदिर की ५६ एकड जमीन पर सिलीं लगादी । तत्सम्बन्धी आवश्यक कागजाद प्रस्तुत न करने के कारण अभी भी जमीन के स्वामित्व का झगडा न्यायालय मे प्रस्तुत है । अधिवक्ता तेजलाल टेंभरें तथा अधिवक्ता रामकुमार ठाकुर मुकदमा लड़ रहे है । करीब ६०० व्यय हो चुकें है ।

२) इसी कार्यकाल मे श्री प्रेमलाल चौधरी दलदला को जमीन काश्त के लिये एक वर्ष के लिये ठेके पर दी गई । आज तक ठेके की दो हजार रूपये रक्कम मंदिर को नही दी गई ।

## मन्दिर वर्तमान समय मे-

१) वर्तमान समय मे अध्यक्ष श्री धरमलाल टेंभरे तथा मंत्रि श्री मुलचन्द ठाकुर पवनी है । इस वर्ष हीरक जयंती मनाई जा रही है तथा देश के प्रसिद्ध प्रवचन कर्ता तथा समाज के प्रमुख वक्ता पधारेंगे । पंवार क्षत्रिय समाज के बहुसंख्य व्यक्ति इस महोत्सव मे सम्मिलित होंगे ऐसी आशा है ।

२) हमारे समाज के कई महानुभाव अब मंदिर तथा उत्सव के प्रति उतनी उत्सुकता नही दिखाते । समाज कल्याण के महत्व को देखते हुये अब अपना दृष्टीकोण बदलना होगा तथा रामनवमी महोत्सव को कुछ इस तरह परिवर्तित करना होगा कि अधिक संख्या मे लोग आकर्षित हो ।

३) अखिल भारतीय पंवार क्षत्रिय महा सभा तथा राम मंदिर बैहर का चोलीदामन का साथ हैं । १९६९ मे अधिवेशन बैहर राम मन्दिर के कारण ही हो पाया । वर्तमान समयमे महासभा के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल चौहाण राममंदिर बैहर के कार्य तथा व्यवस्था पर व्यक्तीगत तौर से ध्यान

रहे है। तथा आशा है कि मंदिर संबंधी असंगतियों को सही दिशा मे ोड़ा जायेगा।

४) समाज के वयोवृद्ध नेता श्री बी.एम.पटेल अधिवक्ता गोंदिया का सहयोग मंदिर को नही मिल सका हैं। पंवार बोर्डिंग गोंदियाके निर्माण मे उनका सहयोग देखकर आशा है कि भविष्य मे उनका सराहनीय सहयोग मिलेगा।

५) श्री ताराचन्दजी येड़े, शिक्षक, गोंदिया का इस मंदिर को काफी सहयोग रहा। केवल धन द्वारा ही नहीं अपितु आपने समय – समय पर पधारकर लोगों का मार्गदर्शन भी किया है।

६) श्री लिखनलालजी पटेल, शिक्षक, बाकीगुळा प्रत्येक वर्ष राम नवमी उत्सव मे उपस्थित रहें है। एक वर्ष किन्ही कारणवश वे न आ सके तो आपने ५ रू० का मनी आर्डर कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

७) वतमान समय मे प्रमुख सहयोगी श्री चिन्तामण कटरे गुदमा के द्वारा श्री रामचन्द्रजी की जमीन की जोत होती है व ठोक रक्कम २००० २५००) कभी कम कभी ज्यादा प्राप्त होती है, यदि उन्होने साथ छोडा तो कृषि का कार्य होना असंभम जचता है।

श्री राममंदिर बैहर की प्रगति पंवार समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सहयोव पर निर्भर है। श्री राममंदिर की व्यवस्थाको सूचारू रूप से चलाने के लियें तन मन धन की आवश्यकता है। मंदिर व्यवस्था समिती प्रभू श्री रामचंद्र भगवान से प्रार्थना करती है कि वे पंवार समाज के प्रत्येक व्यक्ति मे सद्बुद्धि का सजार करे त कि मंदिर उत्तरोत्तर प्रगति करता रहें।

नोट :– पुराने रिकार्ढ के अभाव में संपुर्ण सहयोगियो के नाम दे नही सके।

दुसरे संस्करण मे दिये जायेंगे।